कृषि क्रांति
की ओर ...
Agro Product Catalogue
MORAL

प्रिय किसान भाइयों, नमस्कार

साथियों, जैसा कि आप को विदित है कि बढ़ती हुई जनसंख्या के साथ भोजन की आपूर्ति के लिए मानव द्वारा खाद्य उत्पादन की होड़ में अधिक से अधिक उत्पादन प्राप्त करने के लिए तरह–तरह की रासायनिक खादों, जहरीले कीटनाशकों का उपयोग, प्रकृति के जैविक और अजैविक पदार्थो के बीच आदान–प्रदान के चक्र को (इकोलॉजी सिस्टम) प्रभावित करता है, जिससे भूमि की उर्वरा शक्ति खराब हो जाती है, साथ ही वातावरण प्रदूषित होता है, तथा मनुष्य के स्वास्थ्य में गिरावट आती है। वर्तमान समय में कृषि क्षेत्र में जैसे–जैसे उत्पादन बढ़ रहा है, उसी तरह केमिकल का उपयोग भी बढता गया है जिससे भूमि लगातार बंजर होती जा रही है । यह रसायन का ज्यादा उपयोग जमीन, वातावरण, मानव एवं समस्त ब्रह्मांड के लिए नुकसान दायक है। कीटनाशकों, जीवाणुनाशकों, फ़ूंदीनाशकों से विषैले तत्वों का स्तर बढता जा रहा है, धीरे– धीरे यह नुकसान अपनी समस्त बंदिशों को तोड़कर घातक हो जायेगा, इस परिस्थिति से निपटने के लिए **मोरल ग्रुप ऑफ कम्पनीज** अपनी नवीन कृषि श्रृंखला का आगाज करता है जिसे हम "जैविक खेती (Organic Farming)" के नाम से जानते हैं। इस श्रृंखला की खासियत निम्न है :–

जैविक खेती से होने वाले लाभ...

1. कृषकों की दृष्टि से लाभ :–

- भूमि की उपजाऊ क्षमता में वृद्धि हो जाती है।
- सिंचाई अंतराल में वृद्धि होती है ।
- रासायनिक खाद पर निर्भरता कम होने से लागत में कमी आती है।
- फसलों की उत्पादकता में वृद्धि।
- अंतर्राष्ट्रीय बाजार की स्पर्धा में जैविक उत्पाद की गुणवत्ता का खरा उतरना।

2. मिट्टी की दृष्टि से –

- जैविक खाद के उपयोग करने से भूमि की गुणवत्ता में सुधार आता है।
- भूमि की जल धारण क्षमता बढती है।
- भूमि से पानी का वाष्पीकरण कम होगा।
- भूमि पर विषैले तत्वों का नाश होगा।
- भूमि पर खादों का प्रभाव बढाये, नमी बढाये ।
- भूमि में रोगजनक कीटाणुओं की कमी होगी ।

3. पर्यावरण की दृष्टि से –

- भूमि के जल स्तर में वृद्धि होती हैं।
- मिट्टी, खाद और जमीन में पानी के माध्यम से होने वाले प्रदूषण मे कमी आती है।
- कचरे का उपयोग खाद बनाने में होता है जिससे प्रदूषण कम होता है और बीमारियों में कमी आती है ।

कृषि क्रांति की ओर....

Products are Certified by

Scope Certificate

IFOAM/IA/MPPL/UP/123

MORAL PHARMACEUTICALS PVT. LTD.

ROYAL ARCADE 565-KA-94/2, SNEH NAGAR, ALAMBAGH,LUCKNOW, (U.P)-226005

This is to certify that the product(s) and areas(s) of the mentioned organisation inspected by Biocert International Pvt ltd are in accordance with requirements of

the International Federation of Organic Agriculture Movement (IFOAM) Basic standards (2005) and is accordingly to Biocert India Pvt Ltd Standards

For the following category

Input Manufacturing

Effective date of initial certification: 23/11/2014

The next inspection is due on or before 22/11/2015

For the purposes of IFOAM, this certificate is valid until 22/11/2015

This certificate is valid for those product(s) and area(s) that have been specified in the annex Certification Characteristics IFOAM/IA/MPPL/UP/123

Date of Issuance: 14/12/2014

Authorized Signatory

Dr Dilip Dhaker

Managing Director

IFOAM ACCREDITED

Annex Certification Characteristics

IFOAM/IA/MPPL/UP/123 A

A:- Physical Address

Name of Project	MORAL PHARMACEUTICALS PVT. LTD.
Address:	ROYAL ARCADE 565-KA-94/2, SNEH NAGAR, ALAMBAGH, LUCKNOW (U.P)-226005
Responsible Person	MR. GYANESHWAR SHARMA

Inputs for Use in Fertilising & Soil Conditioning

Liquid Formulation	Solid/Granular Formulation
1.BIPRO	1.EARTH RICH
2.SUPER MITE	
3.AGRI BOSS	
4.ARITO POWER	

Inputs for Use in Plant & Disease control

Liquid Formulation
1.SUPERSHOT
2.WINSECT
3.SULFAGOLD
4.BACTIGONE

IFOAM ACCREDITED

Scope Certificate

IFOAM/IM/SFCL/MH/00107

SUNRAYSIA FINE CHEMICALS LTD.

This is to certify that the product(s) and areas(s) of the mentioned organisation inspected by Biocert India Pvt Ltd are in accordance with requirements of

the International Federation of Organic Agriculture Movement (IFOAM) Basic standards (2005) and is accordingly to Biocert India Pvt Ltd Standards

For the following category

Input Manufacturing

Annex Certification Characteristics

IFOAM/IM/SFCL/MH/00107 B

A:- Physical Address

Name of Project: SUNRAYSIA FINE CHEMICALS LTD.

Responsible Person: Mr. Yuvraj Vijay Patil

Liquid Formulation Inputs:

Annex Certification Characteristics

IFOAM/IM/SFCL/MH/00107 A

A:- Physical Address

Name of Project: SUNRAYSIA FINE CHEMICALS LTD.

Responsible Person: Mr. Yuvraj Vijay Patil

Liquid Formulation Inputs:

Granual Formulation Inputs:

CHEMEXCIL

Basic Chemicals, Pharmaceuticals & Cosmetics Export Promotion Council

REGISTRATION - CUM - MEMBERSHIP CERTIFICATE

SUNRAYSIA FINE CHEMICAL LTD.

PATENT CERTFICATE

ORIGINAL

No. 4799

GOVERNMENT OF INDIA

THE PATENT OFFICE

CERTIFICATE OF REGISTRATION OF DESIGN

Controller General of Patents, Designs and Trade Marks

PATENT CERTFICATE

ONICRA

CERTIFICATE

of NSIC - ONICRA Performance and Credit Rating

This Certifies that

M/s Sunraysia Fine Chemicals Limited, Maharashtra

EM No. 27-020-11-05021 Date of Issue 08/08/2011

has been assigned NSIC - ONICRA rating of

SE-2B

on this day of December 22, 2011

The Rating Indicates High Performance Capability and Moderate Financial Strength

CERTIFICATE NO: 11-12/ONICRA/9216

December 21 2012

VALIDITY DATE

AUTHORISED SIGNATORY

AUTHORISED SIGNATORY

NSIC - ONICRA CERTIFICATE

ONICRA WE SECURE TRUST

Products Certified by

IFOAM

Interaction Federation Of Organic Agricultures Movements

APPROVED FOR ORGANIC AGRICULTURE APPROVED ORGANIC biocert India IA/SFCL/MH/08

JAS-ANZ

कृषि क्रांति की ओर....

खादों का महत्व

विश्व की जनसंख्या 700 करोड़ से ज्यादा है एवं समस्त मानव के आधार की व्यवस्था उनकी प्राथमिक जरुरत है जो कि खेती से ही पूरी हो सकती है यही कारण है कि अनाज का उत्पादन बढ़ाना विश्व की प्राथमिक जरुरत है क्योकि जनसंख्या बढेगी। बढती आबादी के लिए रोटी और कपड़ा अति महत्व पूर्ण है इसलिए खेती करना अति महत्वपूर्ण है। यदि यह स्थिति उत्पन्न होती है तो खादों का महत्व बढ़ जाता है। खादें , फसलों एवं पौधों की वृद्धि एवं पोषक तत्वों को पूरा करने में मदद करती है। जमीन पर कम हो रही उपजाऊ शक्ति अनाज, फलों, सब्जियों एवं महत्वपूर्ण फसलों के उत्पादन को कम करती हैं। जमीन की उर्वरा क्षमता कम होने के कारण यह निश्चित नहीं है कि उत्पादन कितना होगा। फसलों पर जीवाणु, विषाणु एवं फफुंदी का संक्रमण भी अनाज उत्पादन कम करता है और खर पतवार फसलों को आधा कर देतें हैं। सूखा और बाढ़ भी अनाज उत्पादन कम करते है। आधुनिक युग में ज्यादा से ज्यादा किसान रासायनिक खादो का उपयोग करके उत्पादन बढ़ाते हैं। खादे फसलो की वृद्धि एवं पौधो के विकास में सहायक होती है खादों की कमी फसल वृद्धि रोकती है।

खाद मुख्यतः दो अवस्थाओं में पाई जाती है ।

तरल एवं ठोस खाद :

ठोस एक जगह पर गिर कर धीरे–धीरे गलता है और अपना प्रभाव देर से देना शुरु करता है और वातावरण में जल्दी घुल जाता है। परन्तु पूरी दुनिया में आज भी 90 प्रतिशत किसान ठोस खादो का प्रयोग करते है। यदि इसके विरुद्ध तरल खादों का प्रयोग किया जाय तो पत्तों के जरिए तेजी से अवशोषित होते है , वातावरण को कम नुकसान पहुँचाते है, तुरंत परिणाम देते है, और इस्तेमाल करने मे आसान है ।

पानी मे मिला कर सिंचाई के साथ खादो का प्रयोग फर्टीगेशन कहलाता है। एक सर्वे के मुताबिक भारत में 2009–10 में कुल खादो का प्रयोग 26.49 Million Nutrients टन था। 2020 –21 में भारत दुनिया का सबसे ज्यादा खादों को इस्तेमाल करने वाला दूसरा देश बन जायेगा।

14 पोषक तत्व जो कि पौधो के लिए जरुरी है।

1. प्राथमिक दीर्घ पोषक तत्व
   - Nitrogen
   - Phosphorus
   - Potassium

2. द्वितीयक दीर्घ पोषक तत्व
   - Calcium
   - Magnesium
   - Sulphur

पौधो मे 8 सूक्ष्म पोषक तत्वो की आवश्यकता होती है।

1– बोरान – पौधों मे कार्बोहाइड्रेट पहुंचाने के लिए इनकी आवश्यकता होती है इसकी कमी से नए फूल व कलियाँ मुरझा जाते है।

2– क्लोरीन – यह पौधों मे परासरण (OSMOSIS) के लिये जरूरी है। इनकी कमी से प्रकाशसंश्लेषण(PHOTOSYNTHESIS) नहीं हो सकती।

3– कापर – पौधो मे एंजाईम निर्माण के लिए आवश्यक है। इनकी कमी से पत्तियों की अग्रसिरा भूरी हो जाती है।

4– आयरन – क्लोरोफिल उत्पादन के लिए अतिआवश्यक है इसकी कमी से पत्तियाँ सफेद हो जाती है।

5– मोलिब्डेनम – यह नाइट्रेट को विघटित करता है इसकी आवश्यकता नाइट्रोजन अवशोषण के लिए होती है।

6– मैगनीज – यह तत्व भी क्लोरोफिल निर्माण के लिए आवश्यक है इनकी कमी से पत्तियों की शिराओ के बीच सफेद हो जाता है।

7– जिंक – यह तत्व भी क्लोरोफिल निर्माण के लिए अतिआवश्यक है। इनकी कमी से पौधों मे बाँझपन आ जाता है।

8– निकिल – नाइट्रोजन चयापचय के लिए अतिआवश्यक तत्व है। इनकी कमी से पत्तियों मे NECROTIC LESSIONS (सफेद धब्बे) पड़ जाते है।

रासायनिक खादों के दुष्प्रभाव :–

✓ ज्यादा रसायन का प्रयोग पानी की समस्या पैदा करता है।

✓ फसल कमजोर एवं दाने कमजोर होते है।

✓ जमीन की उपजाऊ शक्ति कमजोर होती है।

✓ जमीन के अन्दर उपलब्ध जैविक तत्वों एवं मृदा सहायक कीटों को खत्म करता है।

✓ रासायनिक खादों का बार–बार प्रयोग अम्ल वर्षा का मुख्य कारण बनता है।

✓जमीन को सख्त करती है।

✓पानी का अवशोषण कम करती है।

✓ग्राउंड वाटर को दुष्प्रभावित करती है।

✓जमीन का Ph मान संतुलित नही रहता।

✓इसके विपरीत यदि जैविक उत्पाद प्रयोग किया जाय तो इन दुष्प्रभावों से बचा जा सकता है।

कृषि उत्पादन बढ़ाने के लिए मोरल ग्रुप ऑफ कम्पनीज ने जैविक उत्पादों की एक श्रृंखला प्रस्तुत की है, जिसका विवरण आगे दिया गया है ...

हमारे देश की अर्थव्यवस्था का मूल आधार कृषि है। हर राज्य की अनेक मुख्य फसलें हैं जो वहाँ बहुतायत से होती हैं जैसे चावल की खेती पूर्वी यू.पी; बिहार, बंगाल, ओड़िसा, असम, पूर्वोत्तर भारत, ततीय इलाकों, और डेल्टा के क्षेत्र में होती ह। अब तो इसकी खेती पंजाब, हरियाणा, पश्चिमी यू.पी. और राजस्थान के कुछ भागों में भी होने लगी है। गेहूं के मुख्य उत्पादक हैं बिहार, यु.पी; पंजाब, हरियाणा, राजस्थान के कुछ भाग। मक्का के मुख्य उत्पादक हैं: यु.पी.,बिहार, एम्.पी. आंध्र प्रदेश और कर्नाटक। दालों की खेती अधिक होती है राजस्थान, कर्नाटक और एम्.पी. में। भारत में गन्ने की खेती मुख्यतः यु.पी. बिहार, पंजाब, हरियाणा, महाराष्ट्र, कर्नाटक, तमिलनाडु और आन्ध्र प्रदेश में होती है। प्याज महाराष्ट्र, उड़ीसा, कर्नाटक, उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु तथा गुजरात आदि प्रदेशों में अधिकता से उगाया जाता है। उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, बिहार और गुजरात आलू के मुख्य उत्पादक हैं।

मिट्टी कृषि का मुख्य आधार होता है। अच्छी फसल के लिए मिट्टी की संरचना और गुणवत्ता में सुधार के अतिरिक्त जैविक खादों और कीटनाशक के उचित उपयोग भी अत्यंत महत्वपूर्ण होते हैं।

हमारे देश में 8 प्रकार की मिट्टी पाई जाती है जैसे जलोढ़, दोमट, काली, दोमट, मुखरैला, रेगूर, लाल और लैटेलाईट. भारत के समस्त स्थल भाग के 24% भाग में जलोढ़ मिट्टी पाई जाती है। इस अत्यधिक उपजाऊ मिट्टी में नाईट्रोजन और पोटाश की मात्रा कम होती है पर फास्फोरस और ह्यूमस की अधिकता होती है। इसमें गेहूं, चावल, मक्का, तिलहन, बाजरा, ज्वार, सरसों, सब्जियों, फसलें और फलों की खेती अच्छी होती है। काली मिट्टी में कार्बनिक पदार्थों की अधिकता होती है इस मिट्टी में होने वाली फसलें हैं: कपास,गन्ना, गेहूं, सब्जियां, खट्टे फल, तिलहनी और अनाज की फसलें। दोमट मिट्टी धान की खेती के लिए अधिक उपयोगी होती है। लाल और पीली मिट्टी में एसिड और पोटाश की मात्रा अधिक होती है लेकिन नाईट्रोजन, फास्फोरस, मैग्नेशियम और ह्यूमस की कमी होती है। लैटेलाईट मिट्टी में एसिड और आयरन अधिक होता है पर ह्यूमस, फास्फोरस,नाईट्रोजन और कैल्शियम की कमी रहती है। इस प्रकार यह देखा गया है कि हर तरह की मिट्टी की रासायनिक संरचना में कुछ न कुछ कमी होती ही है।

इसके अतिरिक्त रासायनिक खाद और कीटनाशक के निरंतर उपयोगों से मिट्टी की भौतिक, रासायनिक और जैविक संरचना पर विपरीत और घातक प्रभाव पडा है, जैसे मिट्टी का कठोर हो जाना, मिट्टी में लाभदायक जीवाणुओं और सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी, केंचुओं की कमी, नमी का अभाव, **pH** का असंतुलन, नाईट्रोजन,फास्फोरस,पोताशियम,कैल्शियम,आयरन का अघुलनशील होना, मिट्टी में आक्सीजन का कम संचरण, अनियंत्रित पोटाशियम, मिट्टी में हानिकारक फफूंद, जीवाणु, विषाणुओं का संक्रमण, मिट्टी की उर्वरा क्षमता में कमी, रोग–प्रतिरोधक क्षमता में कमी आदि।

मोरल ग्रुप आफ कम्पनीज मिट्टी की इन कमियों को दूर करने, फसलोत्पादन और उत्पादकता में वृद्धि के लिए प्रयासरत है**,** ताकि यह छोटा सा प्रयास किसानों के जीवन–स्तर और उनकी आमदनी को सुदृढ़ करने में सहायक हो सके।

कृषि के लिए मिट्टी की संरचना और गुणवत्ता में अधिकतम सुधार के लिए**:**

मोरल ग्रुप आफ कम्पनीज दो अनोखे उत्पाद प्रस्तुत करते हैं**: भूमि पावर और भूमि पावर एडवांस प्लस**

उत्तम और अधिक फसलोत्पादन के लिए जैविक खादों की श्रृंखला भी उपलब्ध हैं**: कृषि संजीवनी, अर्थरिच, फर्टीरिच, निपको, एग्रोमोर 80, एग्री बॉस, जिंक प्रो, पी.जी.आर.10, एफिको प्लस, पोफो पावर, मैजिक, एग्रो शक्ति, एरिटो पावर, पुष्प शक्ति, सल्फा गोल्ड**

और,

कीटों की रोकथाम के लिए आधुनिक शैली से निर्मित उत्पाद हैं**: प्रोटेरा, विनसेक्त, बैक्टीगोंन, सुपर–शॉट, सुपर–माईट, बोक्सर, बोक्सर–एस.सी., टोक्सिगोंन एडवांस, फंगिकिलिन**

Bhumi
Power
1 Litre
MORAL AGRICULTURE
Bhumi
Power
INARTIFICIAL SOIL
CURE INFERTILITY
MAINTAINS MOISTURE
500ml
MORAL AGRICULTURE
Bhumi
Power
INARTIFICIAL SOIL
CURE INFERTILITY
MAINTAINS MOISTURE
आएगी मिटटी में जान
भूमिपॉवर की यही पहचान...
कृषि क्रांति
की ओर....

भूमि पावर

भूमि पावर में ह्युमिक एसिड निहित होने के कारण यह मिट्टी की भौतिक, रासायनिक और जैविक संरचना में अनुकूल सुधार करता है जिससे मिट्टी की जल धारण क्षमता में वृद्धि होती है और भूमि की नमी बनी रहती है और मिट्टी का कडापन खत्म होता है.
ह्यमिक एसिड का 70% कार्य मृदा में होता है तथा 30% कार्य पत्तियों पर होता है। ह्यमिक एसिड के फायदे हैं:

- मिट्टी को भुरभुरी बनाना
- जड़ों का अधिक विकास और पोषक तत्वों का अधिक अवशोषण
- समुचित प्रकाश संश्लेषण
- पौधे में हरापन और शाखाओं की वृद्धि होती ह
- बीज की अंकुरण क्षमता में वृद्धि
- पौधों की प्रतिकूल वातावरण से रक्षा

भूमि पावर में एक प्रकार का प्लांट–हारमोन होता है जिसे जिबरेलिक एसिड कहते हैं। इसके कारण बीजों का अच्छा अंकुरण, प्रकाश संश्लेषण, पोधों की लम्बाई में वृद्धि और उपज में बढ़ोतरी होती है। तने, पुष्प और पत्तों के विकास के लिए भी लाभदायक होता है। पोधों में पोषक तत्वों की उपलब्धता में बढ़ोतरी। इसमें निहित उच्च ऊर्जा वाले तत्वों के कारण मिट्टी में सूक्ष्म जीवों की संख्या में वृद्धि जड़ों की समुचित वृद्धि नाईट्रोजन और कार्बनिक चक्र के लिए सहायक।

उपयोग का तरीका–

1 एकड़ खेत के लिए , 100 ली0 पानी में 1 ली0 भूमि पावर मिलायें या 30 किग्रा0 मिट्टी में 1 ली0 भूमि पावर मिलायें। इस मिश्रण का एक एकड़ खेत मे छिडकाव करे, फिर सिचाई करें ।

उपयोग का समय–

बीज बोने के पहले, खेत तैयार करते समय , जुताई के बाद खेत मे भूमि पावर का छिडकाव करे। भूमि पावर का प्रयोग फसल उत्पादन के बीच में भी किया जा सकता है इससे पौधों को खादों की उपलब्धता बढ. जाती है

Bhoomi Power
Advance
भूमि पॉवर एडवांस
भूमि पॉवर एडवांस
100% Organic
250 gm
कृषि क्रांति
की ओर....

भूमि पावर एडवांस+

मिट्टी में लगातार रसायनों के छिड़काव एवं रासायनिक उर्वरकों की बढ़ती मांग ने पर्यावरण को प्रदूषित तो किया ही है पर साथ–साथ मिट्टी की उर्वरा शक्ति और मिट्टी को उर्वरकता प्रदान करने वाले सूक्ष्म जीवों की संख्या को भी कम कर दी है।

बायो– उर्वरक के उपयोग से मृदा की पोषण गुणवत्ता बढ़ जाती है। ये जीवाणु, कवक तथा सायनोबैक्टीरिया के मुख्य स्रोत होते हैं।

भूमि पावर एडवांस प्लस

यह एक बी.जे.ए.**(Blue Green Algae** या नील हरित शैवाल**)** उर्वरक है जो मिट्टी की गुणवत्ता में सुधार के लिए पाउडर के रूप में तैयार किया गया है. बी.जे.ए.में नाइट्रोजन स्थिरीकरण **(Nitrogen Fixation)** की अभूतपूर्व क्षमता होती है। यह जैव उर्वरक नील हरित शैवालों के संवर्धन से बनाया जाता ह।. इसमें उच्च मात्रा में उपस्थित कार्बनिक पदार्थों के कारण यह पोटैशियम को नियंत्रित रूप से रिलीज करता है जो मिट्टी के गुणवत्ता को विकसित करने के लिए महत्वपूर्ण है। भूमि पावर एडवांस प्लस पर्यायवरण के अनुकूल कार्बनिक बायो–उर्वरक है जो अनाज, तिलहन, धान, गेंहूँ, बागवानी,दालों, कपास, सब्जियों के उत्पादन और वृक्षारोपण के लिए अत्यंत उपयोगी है। भूमि पावर एडवांस प्लस का उपयोग मिट्टी में ड्रिप सिंचाई, अधिकतम जल से सिंचाई या ड्रेन्चिंग के माध्यम से किया जा सकता ह।.

भूमि पावर एडवांस प्लस के उपयोग के अनेक फायदे हैं :

- खेत में जो नमी होती है, उसे पाकर यह पूरे खेत में फैल जाता है।
- इसके प्रयोग से सिंचाई भी कम करनी पड़ती है।
- बी.जी.ए. वायूमंडल में स्थित प्राकृतिक नाइट्रोजन को जमीन में स्थिर करता है और फसल को नाइट्रोजन उपलब्ध कराता ह।.
- जिंक, बोरान, आयरन जैसे सूक्ष्म तत्वों की उपलब्धता भी इसके माध्यम से बढ़ती है।
- भूमि के पी.एच. को एक समान बनाये रखने में मदद करता है।
- मिट्टी के स्वास्थ्य को ठीक रखता है।
- अनावश्यक खरपतवारों को पनपने से रोकता है।
- इस जैव उर्वरक के लगातार प्रयोग से भूमि की उर्वरा शक्ति बढ़ जाती है तथा उपज भी बढ़ती है।
- स्वस्थ जड़ की वृद्धि में अत्यंत सहायक है।

इसमें एग्री बॉस भी है जिसके निम्नलिखित फायदे हैं:

- पेड़–पौधों की प्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि।
- मिट्टी में हानिकारक फफूंदी की रोकथाम।
- जड़ों और पत्तियों में वृद्धि।

उपयोग का तरीका

भूमि पावर एडवांस प्लस के 250 ग्राम पाउडर को मिट्टी, बालू, या उर्वरक के साथ मिश्रित कर इसे एक एकड़ भूमि में छिडकाव करना चाहिए या इसे 150 लिटर पानी में मिश्रित कर एक एकड़ भूमि में छीटें डालें।

कृषि क्रांति की ओर....

KriShi
Sanjeevani
कृषि संजीवनी
MORAL
Higher Yields
कृषि संजीवनी
MORAL
कृषि क्रांति
की ओर....

Earth Rich
Earth Rich
Granules
46
अनाजों का उत्पादन बढा लें
अर्थरिच हर फसल में डालें
कृषि क्रांति
की ओर....

कृषि संजीवनी

उत्तम कृषि के लिए अब अंतरिक्ष यात्रियों के पोषण के लिए चुना गया आहार **(NASA FOOD)** भी स्पिरुलिना–आधारित विश्व का एकमात्र जैव उत्तेजक **(Bio Stimulant)** सर्वोत्तम और अधिकतम उपज के लिए प्राकृतिक जैव उत्तेजक(पेटेंट प्रक्रियाओं और सूत्रीकरण **(Formulations)** से निर्मित) स्पिरुलिना समुद्री सिवार से 6 गुणा अधिक प्रबल और प्रभावशाली।

स्पिरुलिना में एमिनो एसिड्स की तुलना में अधिक सहजता से अवशोषित होने वाले प्रोटीन्स निहित। स्पिरुलिना 100 से अधिक पोषक तत्वों का विश्व का एक प्रचुर प्राकृतिक स्त्रोत।

इसमें निहित होते हैं : प्रोटीन्स, कार्बोहायड्रेटस, विटामिन्स, मिनरल्स, फोस्फोरस, कैल्सियम, मैगनेसियम, आयरन, बीटा–कैरोटीन, आवश्यक लिपिड्स,लिनोलेनिक एसिड. ट्रेस एलिमेंट्स के अतिरिक्त उत्तम एन्टीआक्सीडेट्स.

एमिनो एसिड्स और समुद्री सिवार के एक्स्ट्रेक्ट **(Seaweed)**की तुलना में उच्चतर पैदावार एवं उत्कृष्ट परिणाम **shows Excellent results and Higher Yields in Comparison with "Seaweed extract and Amino Acids"- Bio&efficiency trials Conducted by NHRDF**

.सतत कृषि के लिए वर्तमान वैश्विक सिनेरियो दृढ़तापूर्वक पर्यावरण के अनुकूल कृषि सम्बन्धी प्रक्रियाओं और उत्पादों को ग्रहण करने पर जोर देता ह। आधुनिक कृषि में प्रदुषण–स्त्रोतों के घटने के लिए वर्तमान में अधिक ध्यान दिया जा रहा है। मिट्टी के प्रदुषण को कम करने के लिए जैव–उत्तेजको **(Biostimulants)** का उपयोग एक महत्वपूर्ण दृष्टिकोण है। इनका उपयोग सामान्यतः विटामिन्स, पोलीएमाइन्स और पौधों के वृद्धि नियंत्रक के सुरक्षा प्रकृति **(Safety Nature)** के लिए किया जाता है। ये अवयव पौधों की प्रतिरोधक क्षमता और पर्यावरण–दबाब को सहन करने की क्षमता में भी सुधार लाते हैं।

निहायत पौष्टिक स्पिरुलिना **100%** प्राकृतिक और खारे जल का सूक्ष्मतम पौधा है। इसकी खोज दक्षिणी अमेरिका और अफ्रिका के प्राकृतिक क्षारीय झीलों में हुआ था। सर्पिल आकार का यह शैवाल कई पोषक तत्वों का प्रचुर उद्‌गम है। यह अत्यधिक पाचनशील **(85%-95%)** होती है। इनमें बडी मात्रा में पाचनशील विटामिन्स**(Digestable Vitamins)** और एमिनो एसिड **(Amino Acid)** एवं अन्य पोषक तत्व पाये जाते हैं। इसमें अतिरिक्त वसा **(Fats)** और कैलोरीज **(Calories)** नहीं होती है । 1970 से ही अनेक देशों में कई समुदाय के लोगों के द्वारा स्पिरुलिना का उपयोग एक लोकप्रिय एवं स्वास्थ्यकारी उत्तम भोज्य पदार्थ के रूप में किया जाता रहा है।

बहुधा, ऐसा माना जाता है कि स्पिरुलिना में पौधों में स्थित अनेक पोषक तत्वों का समावेश होने के कारण संभवतः यह एक सम्पूर्ण आहारपुरक है। इसमें फाइबर, फैटी एसिड, न्यूक्लिक एसिड्स, पॉलीसेकेराइड और एंटीऑक्सिडेंट फाइटोकेमिकल्स भी शामिल हैं। इसमें बीटा कैरोटीन, येलो जेंथोफील्स, और क्लोरोफिल्स भी प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं। स्पिरुलिना कैलोरी में भी कम है और इसे उच्च गुणवत्ता वाले प्रोटीन का पूरा स्रोत माना जाता है। इस प्रकार, पोधों के अच्छे स्वास्थ्य और रोग–मुक्त बनाये रखने के लिए स्पिरुलिना की सप्लीमेंट के रूप में अनगिनत उपयोगिताएं हैं।

स्पिरुलिना की विशेषता यह है कि इसमें फायकोसायनिन नामक फायटोकेमिकल भी होता है जो एक शक्तिशाली एन्टीआक्सीडेंट भी है। खेतों में किये गए प्रयोग इंगित करते हैं कि अन्य जैव उत्तेजकों **(Bio Stimulants)** की अपेक्षा इस नूतन जैव उत्तेजक के कारण अधिक उत्कृष्ट परिणाम मिलते हैं। अभी यह पता नहीं चला है कि स्पिरुलिना में स्थित किस संघटक **(Molecule)** के कारण यह पौधों की वृद्धि और अधिक पैदावार के लिए अत्यधिक लाभदायक और प्रभावशाली है.

जीव–स्त्रोत **(Animal Source)** और सोया–प्रोटीन स्त्रोत के एमिनो एसिड्स के तुलना में स्पिरुलिना–प्रोटीन स्पिरुलिना में **60%** से अधिक वेजीटेबल प्रोटीन होते हैं जो जीव–स्त्रोत **(Animal Source)** की तुलना में अत्यधिक है। जीव–स्त्रोत **(Animal Source)** के एमिनो एसिड्स और सोया प्रोटीन हायड्रोलायसेट के मोलिक्युल्स स्पिरुलिना–प्रोटीन की तुलना में अधिक बड़े होने के कारण पोधों द्वारा शीघ्र अवशोषित नहीं हो पाते हैं जबकि स्पिरुलिना–प्रोटीन पोधों के द्वारा सरलतापूर्वक अवशोषित और स्थान्तरित होते हैं।

उपयोग की विधि

कृषि संजीवनी को सब्जियों की फसल में 50 **ml** प्रति एकड़ और बागवानी फसलों में 100 **ml** प्रति एकड़ में इस्तेमाल करें ।

ड्रिप सिंचाई के माध्यम से छिड़काव करने के लिए सब्जियों की फसल में 100 **ml** प्रति एकड़ और बागवानी फसलों में 200 **ml** प्रति एकड़ में इस्तेमाल करें ।

कृषि क्रांति
की ओर....

अर्थरिच

50 kg DAP की बोरी में 18:46 नाइट्रोजन व फास्फोरस प्राप्त होता है यह आक्साईड के साथ मित्रित होता है जिसके कारण इसका प्रभाव 1/3 रह जाता है इसी समस्या को दूर करने के लिए अर्थरिच का प्रयोग अति आवश्यक है।

खादों को प्रयोग करने से पूर्व जाँचने योग्य महत्वपूर्ण तथ्य :

1. क्या आपने DAP पाउडर खाद के पैकेट को सही तरीके से देखा है?
2. पाउडर खाद मे नाइट्रोजन फास्फोरस एवं पोटाश की सही मात्रा क्या है?
3. DAP मे नईट्रोजन और फास्फोरस एवं पोटाश 18:46:00 के अनुपात मे रहता हैं। क्या हमे इनकी उपलब्ध मात्रा का सही ज्ञान है ?

   DAP मे सही नाइट्रोजन, फास्फोरस एवं पोटाश की मात्रा

   DAP खाद मे 18:46:00 के अनुपात मे नाइट्रोजन ,फास्फोरस एवं पोटाश होता हैं। यह मात्रा प्रति 100 किग्रा बैग मे होती हैं ।

   क्यूंकि 100 किलो बोरी मे $P_2O_5 = 46$

   इसलिए 50 किलो बोरी मे $P_2O_5 = 23$

   इसलिए 50 किलो बोरी मे फास्फोरस(P) की सही मात्रा 23 X 0.44=10

   100 किलो बोरी मे नाइट्रोजन की मात्रा =18

   50 किलो बोरी मे N की मात्रा = 9

इस प्रकार 50 किग्रा DAP खाद मे नाइट्रोजन एवं फास्फोरस की सही उपलब्ध मात्रा केवल 9 नाइट्रोजन एवं 10 फास्फोरस होती है ।

अतः हम इस निष्कर्ष पर पहुँचते है की अर्थरिच मे उपलब्ध नाइट्रोजन (18) व फास्फोरस (46) की मात्रा 50 डीएपी मे उपलब्ध नाइट्रोजन (9) और फास्फोरस(10) से बहुत अधिक ज्यादा है । तथा अर्थरिच की घुलनशीलता 99.5% होने के कारण यह लगभग पूरी मात्रा मे पौधो को उपलब्ध होता है। इसलिए अर्थरिच पौधो को फास्फोरस का सर्वश्रेष्ठ उपलब्ध कार्बनिक खाद हैं ।

अर्थरिच जमीन का भुरभुरापन बढ़ाकर पानी के संचरण को है, ऑक्सीजन के प्रवाह को बढ़ाता है।

अर्थरिच मिटटी की जल धारण क्षमता को बढाता है जिससे कम पानी की दशा में फसल पर सूखे का प्रभाव न्यून हो जाता है।

उपयोग का तरीका

5 किलोग्राम दानेदार अर्थरिच, 30 किलोग्राम मिट्टी में मिलकर छिड़काव करें ।

उपयोग का समय–

अर्थरिच का प्रयोग फसल के लिए खेत तैयार करते समय करे एवं तदपश्चात सिचाई करे,
अर्थरिच का प्रयोग फसल की बृद्धि के समय भी किया जा सकता है

Ferti
Rich
FERTI-RICH
(Micronutrients (Derived from Seaweed) +
Amino acids + Proteins + Bio Enzymes + Auxins +
Root Rot Preventor (Herbal Base)
FERTI-RICH
MICRO NUTRIENTS
मोरल के इस फर्टीरिच में ,
कुछ तो भई अनूठा है
पोषक तत्व सभी है इसमें ,
कुछ भी नहीं अधूरा है
कृषि क्रांति
की ओर....

फर्टीरिच *(तरल एवं दानेदार)*

उत्तम बीज एवं समय से बुवाई के बावजूद सामान्यतया फसलो का भरपूर उत्पादन सम्भव नहीं हो पाता हैं क्योंकि पौधों के सम्पूर्ण विकास के लिये महत्वपूर्ण पोषक तत्वों (N-P-K-) के अलावा कुछ अन्य सूक्ष्म पोषक तत्वों की आवश्यकता होती है जिन्हे हम सूक्ष्म पोषक तत्व कहते है। यद्यपि इनकी सूक्ष्म मात्रा ही चाहिए परन्तु मिट्टी मे इनकी अनुपलब्धता से उत्पादन पर बेहद गम्भीर असर पड़ता है।

फर्टिरिच को प्रयोग करने से उपरोक्त सभी सूक्ष्म पोषक तत्वो की कमी पूरी होती है।इसके अलावा फर्टिरिच मे बायोइंजाइम, एमिनो एसिड, आक्सिन व जड को गलने से बचानेवाला दृव्य भी पाया जाता है

1– सूक्ष्म पोषक तत्वो की पूर्ति होने से उत्पादन एवं उत्पाद की गुणवत्ता बढ जाती है क्योंकि इनसे बीज अंकुरण दर , पुष्पोत्पादन क्षमता एवं रोग प्रतिरोधी क्षमता बढ जाती है।

2– बायोइन्जाइम ऐसे तत्वों का निर्माण करते है जो कोषाबृद्धि को प्रोत्साहित प्रोतसाहित करके फल निर्माण संख्या एवं आकार व गुणवत्ता को बढाते है।

3– फर्टिरिच में एमिनो एसिड भी प्या जता है जो सूक्ष्म पोषक तत्वों के अवशोषण एवं उपलब्धता को आसान बनाता है।

4– फर्टिरिच मे पाये जाने वाले आक्सिन तत्व, तीव्र कोषा बृद्धि एवं पौधो की लम्बाई बढाने मे सहायक है।

5– लम्बे समय तक पानी मे रहने पर पौधो को पर्याप्त आक्सीजन नही मिल पाता जिससे जडे मृत होने लगती है फर्टिरिच मे पाया जाने वाला ROOT ROT PREVENTOR तत्व , इस प्रक्रिया को रोकता है।

इस प्रकार अतिसूक्ष्म पोषक तत्वों , एमिनो एसिड, प्रोटीन, बायोइन्जाइम, ऑक्सीजन ,एवं जड नाशक रोधी तत्वो से मिलकर बना यह जैविक उत्पाद धान, गेहूँ ,गन्ना ,आलू ,तिलहन एवं सब्जियाँ व फल के भरपूर उत्पादन को सुनिश्चित करता है। **चाय के पौधों** में स्वस्थ एवं उच्च गुणवक्ता की पत्तियों के उत्पादन के लिए **फर्टिरिच लिक्विड** का प्रयोग अत्यंत लाभकारी है

उपयोग का तरीका

उपयोग का तरीका – 10 किग्रा प्रति एकड खेत मे छिडकाव करे।

उपयोग का समय– दाने दार फर्टिरिच का छिड़काव भूमि में प्रयोग खेत तैयार करते समय करे एवं तरल फर्टिरिच का प्रयोग बुआई या रोपण के 30 दिन बाद पौधों पर छिड़काव करके किया जा सकता है।

कृषि क्रांति की ओर....

Nipko
MORAL
NIPKO
ORGANIC MANURE
19
HIGH VALUE NUTRIENTS
NEW IMPROVED FORMULA
एन, पी, के, की भरपूर सप्लाई
तरल खाद है निपको भाई ...
कृषि क्रांति
की ओर....

निपको

जहाँ तक मिट्टी की उर्वरता का संबंध है, नाइट्रोजन (N), फास्फोरस (P) और पोटैशियम (K) का अत्यधिक महत्व है। अन्य तत्वो की अपेक्षाकृत बड़ी मात्रा पौधों द्वारा मिट्टी से अवशोषित होते हैं। इस कारण ये तत्व मिट्टी से जल्द निकल जाते हैं और इनकी कमी हो जाती है। ये तत्व जलविलय रूप में पौधों द्वारा अवशोषित होते हैं। यदि ये तत्व विलेय रूप में न होते तो मिट्टी में रहते हुए भी पौधों को उपलब्ध न होते।

नाइट्रोजन– प्रोटीन और क्लोरोफिल का एक प्रमुख अवयव नाइट्रोजन है। प्रकाश संश्लेषण में यह सक्रिय भाग लेता है। जब मिट्टी में खेती की जाती है तब नाइट्रोजन चक्र पर प्रभाव पड़ता है। फसल काटने पर पौधों की केवल जड़े और खूटियाँ ही मिट्टी में रह जाती हैं, शेष भाग का नाइट्रोजन निकल जाता है। संकर्षण से भी मिट्टी का नाइट्रेट बहुत कुछ निकल जाता है। इससे प्रतिवर्ष नाइट्रोजन की बहुत अधिक क्षति होती रहती है।

फास्फोरस– वनस्पति की क्रिया संचालन में एक महत्वपूर्ण पदार्थ फास्फोप्रोटीन है। पौधों में इसकी कमी से जड़ों का उचित विकास नहीं होता और फसलों के पकने में भी बाधा पहुँचती है।

पोटैशियम– पोटैशियम से प्रकाश संश्लेषण प्रक्रिया में सहायता पहुँचती है।

यदि हम NPK खाद के पैकेट को देखे तो उसमे N:P:k मे नाइट्रोजन 19%, P_2O_5 19% और K_2O 19% है। आइये देखे :–

P_2O_5 मे फास्फोरस (P) कितना मिलेंगा ?

K_2O मे पोटाश (K) कितना मिलेंगा ?

यदि P_2O_5 =19% तब वास्तविक फास्फोरस (P) जानने के लिए P_2O_5 के प्रतिशत मे 0.44 का गुणा करने पर सही फास्फोरस की मात्रा मिल पाएगी (क्योकि P_2O_5 मे फास्फोरस (P) 0.44% है।

अतः 19: P_2O_5 मे P फास्फोरस की मात्रा 19X0.44 = 8.36 इसी तरह से K_2O मे पोटाश K की मात्रा जानने के लिए K_2O प्रतिशत मे 0.83 से गुणा करते है।

अतः 19: K_2O मे पोटाश K की मात्रा 19X 0.83 =15.77 होगी

अतः N:P:K 19:19:19 मे नाइट्रोजन ,फास्फोरस एवं पोटाश की सही मात्रा 19N, 8.36P और 15.77K है ।

मोरल ग्रुप का जैविक उत्पाद **निपको** एक तरल खाद है जिसमे नाइट्रोजन, फॉस्फोरस एवं पोटाश की मात्र 19–19–19 के अनुपात में पाई जाती है।

अतः निपको तरल, दानेदार NPK खाद से बेहतर है

उपयोग का तरीका

1 लीटर निपको 200 लीटर पानी में मिलाकर छिडकाव करें ।

उपयोग का समय –

निपको का प्रयोग फसल की प्रारम्भिक अवस्था तथा मध्य अवस्था मे करना चाहिए।

Agro
More 80
MORAL AGRICULTURE
Agro
More80
SPREADER
ADJUVANT
500ml
MORAL AGRICULTURE
Agro
More80
SPREADER
ADJUVANT
जब खेतों में हो नमी,
झूमे फसल , झूमे जमी ...
कृषि क्रांति
की ओर....

एग्रोमोर 80

एग्रोमोर कृषि के लिए सहायक एवं कार्य वृद्धक उत्पाद है जोकि परर्फामेंस बढाने का कार्य करता है तथा पौधों का तनाव दूर करता है नमी बढ़ा कर रखता है।
इसके मुख्य उपयोग :–.

- एग्रोमोर पानी के सतह के तनाव (Surface tension) को कम करके भूमि में पानी अवशोषण बढता है जिससे जमीन में नमी की मात्र बढाती रहती है ।
- पौधे की हरियाली बढ़ाता है,
- किसी भी खाद , या कीटनाशक के साथ मिलाकर एग्रोमोर का छिड़काव करने से पुरे खेत में एक सामान छिड़काव होता है
- मिट्टी को मुलायम करता है ,
- कम पानी में ज्यादा सिंचाई कराता है,
- एग्रोमोर के छिड़काव के उपरांत सिचाई करने से चंदप पुरे खेत में काम समय में ही एक सामान रूप से मिटटी को नम कर देता है
- एग्रोमोर के प्रयोग से मिटटी में ढेले नहीं बनते है।
- नाइट्रोजन का उपरी मिट्टी पर नियंत्रण रखता है,
- जमीन पर दर्रे नही पड़ने देता है,
- पौधो की जडों का विकास होने में सहायता करता है,
- वातावरण के तनाव से बचाव करता है,
- उत्पादन बढ़ाने में मदद करता है ,
- पौधो की लम्बाई बढ़ाता है,
- कम पानी में ज्यादा जगह पर सिंचाई करवाता है,
- रासायनिक दवाओं का प्रभाव बढाता है,

उपयोग का तरीका

1 एकड़ खेत के लिए, बीजाई से 30 दिन बाद 100 ली0 पानी में 160 मिली0 एग्रोमोंर फसल पर छिडकाव करें तत्पश्चात सिंचाई करें।
खरपतवार नाशक के साथ 15 ली0 पानी में 5 मिली0 से साथ ।

उपयोग का समय – एग्रोमोर का प्रयोग,भूमि पावर के साथ मिलाकर बुआई से पूर्ण खेत तैयार करते समय किया जाता है।
किसी खाद या खरपतवार नाशक के साथ इसका प्रयोग कभी भी कर सकते है।

कृषि क्रांति की ओर....

ZINC PRO
Zinc Supplement 30 tabs/Acre
ZINC PRO Tablets are specially made to provide Zinc to
Date of Mfg.
MRP Rs.
MORAL
जिंक प्रो

जिंक प्रो

आजकल भूमि में सूक्ष्म पोषक तत्वों की निरंतर कमी होने के कारण इनके लक्षण पोधों पर साफ दिखने लगते हैं. मृदाओं में जिंक की कमी और सूक्ष्म पोषक तत्वों के असंतुलन के मुख्य कारण हैं अधिक उपज देने वाली किस्मे, जिंक रहित उर्वरक का प्रयोग, सघन खेती, रासायनिक खादों का उपयोग, जैविक खाद का न्यूनतम प्रयोग. जिंक की कमी लवणीय, क्षारीय,पीट मृदा या जल जमाव वाले नम भूमि में भी होती है।

वैज्ञानिक रूप से पौधों के स्वास्थ्य और अच्छी वृद्धि के लिए मुख्य रूप से 8 तत्व आवश्यक हैं। इन तत्वों में एक महत्वपूर्ण तत्व जस्ता या जिंक है. इसकी कमी से उत्पादन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

यद्यपि जिंक की आवश्यकता न्यूनतम मात्रा में पौधों को होती है पर पौधों के विकास के लिए यह अति आवश्यक है। पौधों में प्रोटीन और एन्जाईम्स का जिंक एक प्रमुख घटक है. जिंक प्रोटीन संश्लेषण, कार्बोहायड्रेट मेटाबोलिज्म, पराग कण निर्माण में एन्जाईम का एक प्रमुख अवयव होता है। पोधों की वृद्धि के लिए आवश्यक हारमोन के उत्पादन और तने में गांठों की लम्बाई बढ़ाने के लिए जिंक अति आवश्यक है।

जिंक की कमी से धान में खैरा नाम की बेमारी होती है। लाल भूरे रंग के धब्बे नजर आते हैं। जिंक की कमी से आम, नीम्बू एवं लीची में लिटिल लीफ तथा सेब एवं आडू में रोजेट की समस्या होने लगती है. धान, गेहूं, गन्नों के फसल चक्र में जिंक की अधिकतम आवश्यकता होती है।

जिंक प्रो में स्थित सभी अवयव के 100% प्राकृतिक होने के कारण ये सरलतापूर्वक पोधों के मेटाबोलिज्म या चयापचय के साथ एकीकृत हो जाते हैं. **जिंक प्रो** के उपयोग से माइक्रो फ्लोरा (लाभदायक सूक्ष्म जीवाणुओं की संख्या) में वृद्धि होती है जिसके कारण पोषक तत्वों का सरलता से आत्मसातकरण (assimilation)हो जाता है. जिन्क्प्रो में स्थित जिंक पोधों में जिंक की कमी को पूर्ण करने के अलावा इसकी कमी से होने वाले प्रतिकूल प्रभावों से भी पौधों को बचाता है।

जिंक प्रो के उपयोग से लाभ :

1. पोधों की बढ़ोतरी और फसल की वृद्धि
2. अधिकतम उत्पादन
3. पतियों का आकार सामान्य होना
4. पत्तियों का नहीं मुड़ना
5. बालियों का शीघ्र निकलना
6. फूलों और फलों का अधिक विकास
7. कन्से की संख्या अधिक होना
8. फसल का शीघ्र पकना
9. तनों मे गाँठों के बीच की दूरियों का अधिक होना
10. खैरा रोग से पोधों का बचाव करें

उपयोग विधि :

30 टेबलेट्स को जल की समुचित मात्रा में घोलकर प्रत्येक एकड़ में पतियों पर छिडकाव के द्वारा पैक 30 टेबलेट्स।

Plant
Growth
Regulator
Tablets
PGR 10
Nano Gold Technology
Tablets
PGR 10
TAB
पी.जी.आर–10
कृषि क्रांति
की ओर....

पी.जी.आर-10

यह एक प्लांट ग्रोथ रेगुलेटर है।

- पौधों में हरयिाली वृद्धक है।
- दानों की चमक वृद्धक है।
- वातावरण के दुष्प्रभावो से बचाने कि क्षमता प्रदान करता है।
- लम्बाई एवं पुष्प वृद्धक है।
- पानी में घुलनशील है।
- पौधों पर छिड़काव के लिए उपनयुक्त है
- इसका उपयोग भूमि पर भी किया जा सकता है।

उपयोग की विधि

एक गोली एक टंकी पानी में मिलाकर छिड़काव में प्रयोग करें।

Effico+
Effico+™
A New Dimension in Agriculture
चाहे डालो कोई खाद, रखना बस इतना सा याद
एफिको + को मिलाना है , खाद की पावर बढाना है
कृषि क्रांति
की ओर....

ऐफिको +

पौधो की वृद्धि के साथ ही एफिको + पत्तियों पर दिये जाने वाले छिड़काव वाले खादों , कीटनाशको कवकनाशको , खरपतवार नाशको, के साथ प्रयोग किए जाने पर उनकी कार्यक्षमता को बढ़ा देता है ।

एफिको+ का कीटनाशको के साथ प्रयोग–

एफिको + का कीटनाशको के साथ प्रयोग करने पर कीटनाशको का सतह पर फैलाव बढ़ जाता है क्योकि एफिको + पानी के सतह के तनाव (Surface Tension) को अत्यधिक कम कर देता है।

- एफिको + को कीटनाशको के साथ प्रयोग करके , कीटनाशको की आवश्यक मात्रा 25–30% घटाई जा सकती है । क्योकि एफिको+ के आणविक गुण कीटनाशको की कार्यक्षमता को अत्यधिक बढा देते है ।
- एफिको + कीटनाशको के साथ प्रयोग करने पर उनके प्रभाव को 3–7 दिनो तक और बढा देता है जिससे उत्पादन व उसकी गुणवत्ता दोनों बढ़ जाती है।

एफिको + खाद के प्रभाव को बढाता है–

- एफिको +का खाद के साथ प्रयोग करने करने से नाइट्रोजन का विघटन कम हो जाता है इस प्रकार खाद की हानि भी कम हो जाती है

एफिको+ का कवकनाशकों पर प्रभाव–

कवकनाशकों (fungicide) के साथ प्रयोग करने पर एफिकों प्लस, कवकनाशकों की कार्यक्षमता को लगभग 30% तक बढ़ा देता है ।

अतः किसी भी प्रकार के कवकनाशक, खरपतवार नाशक, कीटनाशक एवं खाद के साथ प्रयोग करने पर एफिको + कार्यक्षमता एवं प्रभाव को 10–30% बढ़ा देता है।

उपयोग का तरीका

100 मिली एफिको + को 200 मिली पानी मे मिलाकर एक एकड फसल पर प्रयोग करे ।

उपयोग का समय –

कीटनाशक के साथ किसी भी फसलों पर खाद्य, खरपतवार नाशक आ

PoPho
Power
PoPho
Power
TM
ORGANIC MANURE
52
HIGH VALUE NUTRIENTS
NEW IMPROVED FORMULA
पोफो पावर ने किया कमाल ,अधिक उपज से हुए खुशहाल
मिटटी में फॉस्फोरस बढाता ,पोफो पावर नाम कहलाता
कृषि क्रांति
की ओर....

पोफो पावर

पौधो की व्रद्धि के लिए आवयश्यक तत्वों मे फास्फोरस अति महत्वपूर्ण है। फास्फोरस की क्रियाओ की पूर्ति किसी भी अन्य तत्व के द्वरा नही की जा सकती इसीलिए फास्फोरस की उच्च मात्रा लगातार बनाए रखना आवयश्यक है। पौधो मे फास्फोरस की मात्रा 0.5–1% तक होती है ।

पौधो मे ऊर्जा स्थांतरण मे फास्फोरस का महत्व–

प्रकाश संश्लेषण प्रक्रति का सबसे महत्वपूर्ण रासायनिक क्रिया है। इस प्रक्रिया मे A.T.P के रूप मे उच्च ऊर्जा वाले फास्फेट बनते है जो की कोशा के अंदर अन्य महत्वपूर्ण क्रियाओ मे भाग लेते है ।

जेनेटिक ट्रांसफर मे फास्फोरस का महत्व–

पौधो के गुणो को एक पीढी से दूसरी पीढी तक जीन्स एवं क्रोमोसोम्स के स्थानांतरित करने मे फास्फोरस का अत्यधिक महत्व है क्योकि इसी मे पौधो के विकास एवं गुणो का कोड (ब्लूप्रिंट) रहता है।

पोषक तत्वों के स्थानांतरण मे स्थानांतरण मे फास्फोरस का महत्व–

पौधो के अंदर पोषक तत्वों का स्थानांतरण कोशाभित्ति मे परासरण (osmosis) के विरुद्ध ऊर्जा के द्वारा होता है जिसमे फास्फोरस युक्त ADP और ATP का प्रयोग होता है।

फास्फोरस की कमी के लक्षण –

फास्फोरस की मिट्टी मे कमी होती ही पत्तियो के विकास मे कमी आ जाती है । पत्तियो की संख्या मे भी कमी आ जाती है और वो सिकुडने लगती है । तने का विकास जडो की अपेक्षाक्रत ज्यादा अवरुद्ध हो जाता है। जडो का विकास भी कम होने के कारण पौधो को पर्याप्त पोषक तत्व व पानी नही मिलता है ।

मॉरल ग्रुप आफ कंपनी का **पोफो पावर** अत्यधिक क्षमता का समुद्री शैवालो के अर्क से बना हुआ जैविक खाद है जिसमे फास्फोरस की मात्रा 52% है इसमे फास्फोरस के साथ ही 34% पोटाश की भी मात्रा है पोफोपावर मे फास्फोरस , पोटाश के साथ ही बायोएंजाइम, व सूक्ष्म तत्व भी है जिससे अधिक अन्न उत्पादन सुनिशित होता है

उपयोग का तरीका–

1 लीटर **पोफो पावर** को 200 लीटर पानी में मिलाकर 1 एकड़ फसल में छिड़काव करे ।

उपयोग का समय –

फसलों की महत्वपूर्ण अवस्थाओ जैसे धान , गेंहू की कल्ले (tillering) निकलते समय पोफो पावर का ज्यादातर प्रयोग किया जाता है ।

पोफो पॉवर का प्रयोग अन्य फसलों की मदद मध्य अवस्था में करने पर अधिक उपज की प्राप्ति होती है।

कृषि क्रांति की ओर....

Maji K
MORAL
Maji K
ORGANIC MANURE
50
HIGH VALUE NUTRIENTS
NEW IMPROVED FORMULA
मिला पोटाश , फसल लहलहाई
जब खेत मे डाला मैजिक भाई
कृषि क्रांति
की ओर....

मैजिक

पोटेशियम पानी मे अत्यधिक घुलनशील होता है इस कारण से वलुई एवं दोमट मिट्टी से आसानी से इसका क्षरण हो जाता है अतएव इसकी लगातार उचित मात्रा मे पूर्ति करनी पड़ती है मिट्टी मे पोटेशियम की कमी होने पर इसके लक्षण पुरानी पत्तियों पर पहले आते है इसके बाद यह वृद्धि वाले भागो मे भी दिखते है।

पोटेशियम की कमी के लक्षण ।

1–पत्तियों के सिरो का मुडना तथा शिराओ के बीच मे पीलापन (CHLOROSIS)

2–पोटेशियम की कमी वाले क्षेत्रो मे पोधों की वृद्धि मे कमी,अविकसित जड़ ,फल एवं बीज के आकार मे कमी आ जाती है।

3–जब पोधों को पोटशियम कम मिलता है तो पोधा इसकी आपूर्ति पहले नव विकसित पत्तिओ को कर देता है जिससे पुरानी पत्तिओ पर (नीचे की पत्ती) पर इसके लक्षण पहले दिखाई देते है ।

4–आलू मे इसकी कमी से कंद का आकार कम हो जाता है अतः उत्पादन कम होता है। पत्तिओ का रंग मे नीलापन आ जाता है तथा उनकी शिराओ के बीच मे पीलापन आ जाता है। पत्तिओ के नीचे छोटे गहरे धब्बे एवं ऊपरी सतह पर भी पीलापन हो जाता है ।

5–पोटेशियम की कमी से पौधो पर पाला एवं कुहरा का असर ज्यादा होता है एवं उसमे रोग भी लग सकता है पत्तिओ पर सूखे जैसे लक्षण दिखाई देते है ।

6–टमाटर मे इसकी कमी से फल बराबर नहीं पकते है ।

7–सेब मे इसकी कमी से फल मे हल्का अम्लीय या वूड़ी टेस्ट (Woody Taste) आता है और निम्न क्वालिटी फसल पैदा होती है

मैजिक की उचित मात्रा देने पर कोशा भित्ती मे सिलिका की मात्रा बढ़ जाती है इसमे कोशा भित्ती मोटी एवं अत्यधिक मजबूत हो जाती है इस कारण से अनेक रोगाणु कारको द्वारा कोशा मे प्रवेश असंभव हो जाता है ।

मैजिक में पोटेशियम की मात्रा 50% होती है इस प्रकार मैजिक रोग प्रतिरोधक छमता भी बढ़ता है।

उपयोग का तरीका–

1 लीटर मैजिक को 200 लीटर पानी में मिलाकर 1 एकड़ फसल में छिड़काव करे ।

उपयोग का समय –

मैजिक का प्रयोग फसल मे दाने या फल आने के समय पारिपक्वता अवस्था मे ज्यादा लाभदायक है ।

कृषि क्रांति की ओर....

Agro
Magic
AgroMagic
BRINGS MORE PROFIT TO YOUR SPRAY
Spreader | Penetrator | Sticke
Certified Organic Spray Adjuvan
Compatible With
Bio Pesticides & Bio Fertilizers
AgroMagic
Spreader | Penetrator | Sticker
Certified Organic Spray Adjuvant
कृषि क्रांति
की ओर....

एग्रोमैजिक

स्प्रेडर - एग्रोमजिक प्रसारक **(spreader)** का कार्य करता है जिससे उर्वरक एवं कीटनाशक पोधों और पत्तियों पर समान रूप से फ़ैल जाते हैं यह जल की एक बूंद को 150–160**mm** तक फैला सकता है। इस कारण से प्रयुक्त खाद या पेस्टीसाईड की न्यून मात्रा भी अधिक से अधिक भाग में फ़ैल जाती है. एग्रोमैजिक के प्रयोग से इनकी प्रसारित होने की क्षमता 30% से 50% तक बढ़ जाती ह।

स्टिकर - एग्रोमैजिक के प्रयोग से स्प्रे किये खाद, कीटनाशक पोधों और पत्तियों पर चिपक जाते हैं और वहां पर इनकी एक सूक्ष्म पतली परत बन जाती है जो सरलता से धुलती भी नहीं है, इनके उपर वर्षा का भी प्रभाव नहीं होता है। कृषि–रसायन महंगे होते हैं। एग्रोमेजिक के प्रयोग से प्रयुक्त कृषि–रसायनों **(agrochemicals)** की क्षमता बढ़ जाती है और इनकी क्षति भी नहीं होती है। इस प्रकार किसानों के लिए इसका प्रयोग किफायती भी है।

पेनेट्रेटर - पौधों को बिना हानि पहुंचाए एग्रोमैजिक पौधों के विभिन्न भागों के अंदर प्रवेश कर जाता है और अपने साथ लिए खादों, कीटनाशकों, कृषि–रसायनों को भी उन भागों में निहित कर देता है ताकि पोधों को उनका भरपूर लाभ मिल सके। सूक्ष्मपोषकतत्वों वाले खादों का पोधों में प्रवेश कुछ कठिन होता है किन्तु एग्रोमैजिक के साथ प्रयोग होने से पत्तियां उन्हें भी सरलता से ग्रहण कर लेती है।

पुष्पों की खेती -

एग्रोमैजिक के छिडकाव से फूलों के सौन्दर्य और चमक में वृद्धि होती है तथा कीटों के प्रकोप से भी उनकी रक्षा होती है। सब्जियों और फलों को भी ताजगी एवं चमक प्रदान करने में सहायक है।

जैव–कीटनाशक **(Bio Pesticides)** के साथ कई पर्यावरणीय अवरोधों के कारण रासायनिक कीटनाशक की तुलना में जैव–कीटनाशक की क्रियाशीलता कम हो जाती है**-** एग्रोमैजिक अनेक जैव–कीटनाशकों के अनुकूल ह। इसके प्रयोग से जैव–कीटनाशकों के उपयोग से पोधों को मिलने वाले लाभों में अधिकाधिक वृद्धि होती है।

प्रमुख विशेषताएँ:-

- 100% प्राकृतिक जैविक उत्पाद
- नन–आयोनिक पृष्ठसक्रियकारक (surfactant)
- सुपर स्प्रेडर, सुपर पेनेट्रेटर और रेनफास्टनर
- खेती में प्रयुक्त निविष्टियों (inputs) के असर में वृद्धि
- सभी प्रकार के खादों तथा कीटनाशकों के छिडकाव के लिए उपयुक्त
- अन्य पृष्ठसक्रियकारक (surfactant) से अधिक सक्रिय
- इसके उपयोग से घोल और मिश्रण और अधिक प्रभावी हो जाता है
- हर प्रकार के पोधों और फसलों के लिए उपयुक्त
- पुष्पों की खेती में भी अत्यंत लाभदायक

उपयोग का तरीका

सभी फसलों के लिए: **0.25ml** से **0.5ml** एग्रोमैजिक 1 लीटर पानी में मिलाएं. इसका उपयोग फोलिअर स्प्रे, ड्रेचिंग तथा ड्रिप सिंचाई के द्वारा भी किया जा सकता है.

कृषि क्रांति
की ओर....

Sulfa
Gold
Sulfagold
सल्फा गोल्ड है तरल – सरल
शीघ्र घुलनशील और प्रबल
कृषि क्रांति
की ओर....

सल्फा गोल्ड

सल्फर पौधों के लिए NPK के बाद बेहद महत्वपूर्ण द्वितीयक पोषक तत्व है जिसकी आवश्यकता फासफोरस के समान मात्रा में हो सकती है। सल्फर की पूर्ति बहुधा पाउडर के रुप में की जाती है किन्तु मॉरल ग्रुप ने सल्फागोल्ड के रुप में सल्फर को तरल स्वरुप में उपलब्ध कराया है जिससे कि पत्तियों द्वारा सल्फर का शीघ्रता से अवशोषण हो जाता है तथा पौधों को आवश्यक तत्व की पूर्ति हो जाती है।

1. सल्फा गोल्ड पौधों की वृद्धि दलहनी फसलों की जड़ो में गांठ को बनाने तथा पौधो की रोग प्रतिरोधी तंत्र को विकसित करने में अति महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
2. सल्फर उन एन्जाइम के निर्माण करने के लिए जरुरी है जो की पौधों में नाइट्रोजन का अवशोषण करते हैं।
3. सल्फर पौधों में प्रोटीन निर्माण के लिए अति आवश्यक है।
4. सल्फागोल्ड में पाया जाने वाला सल्फर पौधों के जीवन चक्र में सल्फर की आवश्यकता की पूर्ति करता रहता है।
5. सल्फा गोल्ड 100% घुलनशील होने के कारण पौधों को अति शीघ्र उपलब्ध हो जाता है।
6. चाय के पौधे पर सल्फागोल्ड के पयोग से तरल सल्फर शीग्रह अवशोषित हो जाता है जिसमे उच्च क्वालटी की पत्तियों की पैदावार बढ जाती है

उपयोग का तरीका

1 ली. प्रति एक एकड़ में।

उपयोग का समय –

सल्फागोल्ड का प्रयोग आवश्क्तानुसार बुआई के 30 दिन बाद किया जाता है ।

Pushpa
Shakti
Available in (1 ltr & 500ml)
MORAL AGRICULTURE
Pushpa
Shakti
RETAINED COLOR
LONGER INHABIT
NATURAL COLOR
CURE INFERTILITY
500ml
MORAL AGRICULTURE
Pushpa
Shakti
RETAINED COLOR
LONGER INHABIT
NATURAL COLOR
CURE INFERTILITY
लम्बी डालियाँ , ज्यादा फूल ...
पैदावार पायें .... भरपूर
कृषि क्रांति
की ओर....

पुष्प शक्ति

पुष्प शक्ति, पुष्प उत्पादन में वृद्धि कारक तरल जैविक अनुपूरक है जो पौधों की वृद्धि में भी सहायक है । पुष्प की गुणवत्ता एवं संख्या में वृद्धि करता है। ज्यादा मादा पुष्प एवं फल उत्पादन में भी बृद्धि होती है ।

- पुष्प शक्ति के प्रयोग से सामान्य से 25 प्रतिशत ज्यादा पुष्प निकलते है ,
- ज्यादा पुष्पोत्पादन के बाद कई पौधों में विपरीत जलवायु के कारण पुष्प पौधों से टूट कर गिर जाते है पुष्प शक्ति के प्रयोग से पुष्पों के मुरझाने की समस्या समाप्त हो जाती है एवं स्वस्थ पुष्प विकसित होते है ।
- फलो का वजन बढ़ाता है ।
- कम समय में ज्यादा पुष्प निकालता है ।
- अनाज का उत्पादन बढ़ाने में सहायक है ।
- पौधे का आकार बढ़ाता है ।
- सभी फसलों पर उपयोगी ।
- पुष्प के गिरने की दर कम करता है ।
- सभी फलों युक्त पौधों एवं कपास के लिए उपयोगी ।

उपयोग का तरीका

एग्रोशक्ति के प्रयोग के 10 दिन एवं 40 दिन बाद, 1 एकड़ फसल के लिए, 60 ली0 पानी में 120 मिली0 पुष्प शक्ति का फसल पर छिड़काव करें ।

उपयोग का समय –

पुष्प निकालने से पूर्व एवं निकालने के बाद इसका प्रयोग अत्यधिक लाभकारी है ।

Arito Power
Arito Power
ORGANIC MANURE WITH NATURALLY OCCURRING AMINO ACIDS & BIOENZYMES
Arito Power
ORGANIC MANURE WITH NATURALLY OCCURRING AMINO ACIDS & BIOENZYMES
Arito Power
जब उम्मीद से ज्यादा पाना हो ,
उत्पादन को बढ़ाना हो
एरिटो पॉवर का पावरफुल डोज ,
याद रखना है हर रोज...
कृषि क्रांति
की ओर....

एरिटो पॉवर

विपरीत जलवायु परिस्थितियों मे पौधो मे ऊर्जा बचाने के लिए मादा फूलो की संख्या कम करने की प्रवृत्ति होती है जिससे पौधो पर फूल कम से कम आते है या आने पर वे गिर जाते है जिससे मादा फूलो का, फलो मे परिवर्तन कम हो जाता है एवं फसल का उत्पादन अत्यधिक कम हो जाता है। इन स्थितियो मे एरिटो पॉवर के प्रयोग से पौधे को अत्यधिक उर्जा (Booster Energy)मिलती है क्योंकि एरिटो पॉवर विशेष जैविक उद्दीपको(biostimulant) और एमीनो एसिड के प्रयोग से एंजायम एवं अतिआवश्यक तत्वो का निर्माण करके विपिरीत परिस्थितियों मे अधिक फसलोत्पादन करते है।

एरिटो पॉवर –

- एरिटो पॉवर प्राकृतिक तत्वो से निर्मित रसायन रहित, दुष्प्रभाव रहित जैविक उत्पाद है जो मादा फूलो का ज्यादा से ज्यादा निकालना सुनिश्चित करता है जिससे फलों की संख्या बढ़ जाती है।
- एरिटो पॉवर मे जैव उद्दीपक एवं एमिनो एसिड के प्रयोग से पौधो मे विभिन्न एंजाइम का निर्माण होता है।
- एरिटो पॉवर मे chelating activity होने के कारण मिट्टी एवं खाद से आवश्यक तत्वो के अवशोषण को बढ़ा देता है ।
- एरिटो पॉवर विपरीत जलवायु मे पौधो को सशक्त करता है तथा पत्तियों द्वारा शीघ्रता से अवशोषित कर लिया जाता है ।
- एरिटो पॉवर कोशिका संवर्धन मे वृद्धि एवं प्रकाशसंश्लेषण की क्रिया को बढाता है जिससे फसल मे वृद्धि होती है ।
- एरिटो पॉवर प्रकाशसंश्लेषण क्रिया मे वृद्धि करता है ।
- एरिटो पॉवर कोशिका संवर्धन मे वृद्धि करता है जिससे पौधों का तीव्र विकास होता है एवं उत्पादन बढ जाता हैं ।
- एरिटो पॉवर फूलो एवं फलो का प्राकृतिक रंग व आकार में विकास करता है।

उपयोग का तरीका

10ml एरिटो पॉवर को 200ली पानी मे घोलकर 1 एकड़ फसल पर छिड़काओ करे।

उपयोग का समय – धान आ गेंहू मे बलियाँ के निकालने से दुग्धावस्था तक एरिटो पॉवर का प्रयोग सर्वाधिक लाभकारी है अन्य फसलों मे मध्यावस्थाओ मे एरिटो पॉवर का प्रयोग करना चाहिए।

कृषि क्रांति की ओर....

Proterra

MORAL
Proterra™
A Proactive and Pre-emptive Protection from Stem Borer and Shoot Borer
Proterra is a unique blend of organically derived compounds that synergistically work for pest management. When used early in the pest life cycle, Ferti G prevents the build up of pest population and maximizes the crop yield potential.
बेधक चाहे जितना आये,
प्रोटेरा को भेद न पाये ...
कृषि क्रांति
की ओर....

प्रोटेरा

तना बेधक की समस्या धान ,गन्ना के साथ–साथ अन्य फसलों के लिए भी बहुत गम्भीर हो जाती है, किन्तु प्रोटेरा अपने अद्वितीय कार्य प्रणाली से तना बेधकों की सम्स्या से मुक्ति तो दिलाती ही है साथ ही रासायनिक कीट–नाशको के कारण नष्ट होने वाले एन्थ्रोपोड, कीट भक्षी, परागण कीटों को बचाता भी है।

तना बेधक पर प्रोटेरा का प्रभाव :

तना बेधकों लार्वी की Larvae गन्ने मजबूती से मुडी हुए पत्ती Tightly rolled Leave को खाती है जिसके कारण नई पत्तियों के खुलने पर विशेष "तिकोना आकार" (Dead Heart) उत्पन्न हो जाता है।

ये कीट पौधे के विकसित हो रहे मुलायम तने में छेद कर देते है, जिससे पौधें की वृद्वि रूक जाती है, तने में अवरोध उत्पन्न हो जाने से उनकी लम्बाई (Shorter inter Node) कम हो जाती है तथा तने का उपरी सिरा मृत पायः हो जाता है।

प्रोटेरा के प्रयोग से लाभः–

प्रोटेरा तना बेधकों से पौधों की सुरक्षा लम्बे समय तक करता है। इसके प्रयोग में आसानी भी होती है साथ ही लगातार प्रयोग से गन्ना, धान इत्यादि की गुणवत्ता वृद्वि होती है एवं मिट्टी के लिए भी प्रोटेरा का प्रयोग लाभदायक है।

- एक वर्ष मे तना बेधक की पांच पीढ़िया होती है। पूर्ण विकसित लार्वा , तने में छेद करके नीचे की तरफ सुरंग बना देती है और तना मृत प्रायः हो जाता है।
- इस रोग से ग्रसित गन्ना, मिलों मे पेराई के योंग्य नहीं रहता है।
- गन्ने में प्रोटेरा के प्रयोग से तने की लम्बाई एवं मोटाई में वृद्वि होती है तथा जिससे किसान को आर्थिक लाभ होता है।
- प्रोटेरा को प्रयोग से गन्ने या धान की फसल के तनों की लम्बाई व वृद्वि एक समान होती है। एक समान लम्बाई के गन्ने होने से किसानो द्वारा उनकी ज्यादा बॅधाई व आसानी से की जा सकती है।
- प्रोटेरा का विषकारक असर अत्यनत न्यून होने से यह पर्यावरण को बिलकुल क्षति नहीं पहॅुचाता।
- प्रोटेरा का प्रयोग किसान के लिए आर्थिक रुप से भी लाभकारी है क्याकि इसके प्रयोग से फसल के उत्पादन मे वृद्वि होती है।

उपयोग का तरीका

गन्ना – 5 किग्रा/एकड़
धान – 5 किग्रा/एकड़
अन्य फसल – 5 किग्रा/एकड़

उपयोग का समय – बुआई के पूर्व खेत तैयार करते समय मिट्टी मे छिडकाव करे तथा कीटो के प्रयोग के समय भी खेत मे छिडकाव करे।

कृषि क्रांति की ओर....

Winsect
Advance
WINSECT
ADVANCE
Insecticide For Chewin Pest
चवर्णक कीटो को मार भगाए
विन्सेक्ट पौधों को स्वस्थ बनाये ...
कृषि क्रांति
की ओर....

विन्सेक्ट एडवांस

चबाने वाले कीटो की रोकथाम (Chewing Insect) के लिए

(Winsect Advance 100 ml)-विन्सेक्ट एडवांस एक प्रभावकारी कीटनाशक है जो चबाने वाले मुलायम शरीर के कीटो जैसे सूँडी, कैटरपिलर ,जैसिड, एफिड,स्केल,कीट बांलवार्म हेलिओथिस, स्पोडोप्टेरा, लीफमाइनर ,डायमंड बैकमोथ को संपर्क मे आते ही खत्म करता है।

- 40°C के तापमान पर भी प्रभावी है।
- सभी तरह के फसलों जैसे धान, गेहूं, गन्ना, आलू कपास ,सब्जिओ के लिए उपयोगी।
- मुलायम शरीर के सभी प्रकार के कीटों को खत्म करता है।
- जैविक उत्पाद , रसायन रहित पेटेंटेड टेक्नालाजी।
- विनसेक्ट मे dirris indica से प्राप्त एलकलाइड अर्क होते है ।
- सम्पूर्ण रोकथाम के लिए एक बार मे ही पूरी फसल पर छिड़काव करे।
- विनसेक्ट कीटों के संपर्क मे आते ही कोशिका भित्ती (Cell Membrane) की पारगम्यता को बाधित करता है जिससे कोशाद्रव्य क्षतिग्रस्त कोशिकाओ से निकल जाता है एवं कीट मर जाता है।

उपयोग का तरीका

200ML विन्सेक्ट एडवांस , 200LTR पानी में मिलाकर, 1 एकड़ फसल पर छिडकाव करें

उपयोग का समय –

फसलों पर विन्सेक्ट एडवांस का प्रयोग आवश्यकतानुसार कीटो के प्रकोप का पूर्वानुमान करके किया जा सकता है , या चवर्णक कीटो के प्रकोप मे उनकें नियंत्रण हेतु तुरंत प्रयोग कर सकते है।

बैक्टीगॉन एडवांस

पेड़ पौधो के तने एवं पत्तियाँ को कीटो द्वारा लगातार काटा एवं चबाया जाता है जिससे उन कीटो मे मौजूद, बैक्टीरिया, वाइरस पौधो मे प्रवेश कर जाते है जिससे पौधो मे अनेक प्रकार के घटक बैक्टीरियल , फंगल एवं वाइरस रोग पैदा होते है।

बैक्टीगॉन एडवांस

- जैविक तत्वो से निर्मित प्रभावी जीवाणुनाशक, विषाणुनाशक एवं कवक नाशक उत्पाद है ।
- जीवाणु विषाणु एवं फंफूंदी के खतरो से बचाता है ।
- प्रभावकारी उत्पाद ।
- विक तत्वो निर्मित होने के कारण कैंसर का खतरा नहीं।
- सलों की प्रतिरोधक क्षमता बढाता है ।

उपयोग का तरीका

200ml बैक्टीगॉन एडवांस को 200ली, पानी मे घोलकर 1 एकड फसल पर प्रयोग करे।

उपयोग का समय –

फसलों पर बैक्टीगॉन एडवांस का प्रयोग आवश्यकतानुसार कीटो के प्रकोप का पूर्वानुमान कर के किया जा सकता है या बक्टेरिया, वायरस, फंगस के प्रकोप मे उनकें नियंत्रण हेतु तुरंत प्रयोग कर सकते है।

Bactigone
Advance
BACTIGONE
ADVANCE
MORAL
जब खेत में फंगस आते हों, बैक्टीरिया फसल सुखाते हो
बैक्टीगॉन छा जायेगा , वाइरस भी ना बच पायेगा ...
कृषि क्रांति
की ओर....

Super shot
Available in (100ml)
Supershot
Organic Manure
चूषक कीटो की रोकथाम
सुपरशॉट ही आएगा काम ...
कृषि क्रांति
की ओर....

सुपर शॉट

चूसने वाले कीट सामान्यता हमारी आंखो से दिखाई नही पड़ते है । इन्हे पौधो की पत्तियों को, हाथो के बालो पर झाड देने से इनको महसूस किया जा सकता है

SUPERSHOT सुपरशाट एक जैविक उत्पाद है जो दुर्गंध रहित एवं रसायन रहित है ।

अच्छे परिणाम के लिए इसे सुबह या शाम के समय प्रयोग करना चाहिए जब वातावरण मे तापमान कम हो व नमी हो तब प्रयोग करना चाहिए ।

- सुपरशाट का कोई हानिकारक दुष्प्रभाव नहीं ।
- Contact एवं systemic activity के कारण सुपरशाट immediate एवं लम्बे समय तक प्रभावी है
- सुपरशाट का प्रयोग अनेक प्रकार के चूसने वाले कीटो को नष्ट करने मे किया जाता है।
- सुपरशाट विशेष पौधे के अर्क (Xtract) और crustacean अर्क (Xtract) को मिलाकर तैयार किया गया है।
- एलकालाइड एवं crustacean के संयुक्त प्रभाव से सभी प्रकार के चूसने वाले कीटो की प्रभावी रोकथाम हो जाती है।
- सुपरशाट की अद्धितीय क्रिया विधि से thrips ,एफिड ,जैसिड ,सफेदमक्खी की एक साथ रोकथाम हो जाती है।

उपयोग का तरीका

100 ml सुपरशाट 150ली. पानी मे मिलाकर एक एकड़ फसल पर छिड़काओ करें ।

उपयोग का समय –

फसलों पर सुपरशाट का प्रयोग आवश्यकतानुसार चूषक कीटो के प्रकोप का
पूर्वानुमान करके किया जा सकता है ,या चूषक कीटो के प्रकोप मे उनकें नियंत्रण हेतु तुरंत प्रयोग कर सकते है।

कृषि क्रांति
की ओर....

Super Mite
Advance
Super Mite
ADVANCE
पत्ती पर जब आये रेडमाइट
मुक्ति दिलाये बस सुपर माइट ...
कृषि क्रांति
की ओर....

सुपर माइट

RED M TE लाल कीडे की रोकथाम ।

- Redmite का आकार इतना छोटा होता है कि ये नमक के दाने के बराबर छोटे होते है अतः इन्हे आँख से देखना संभव नहीं हो पाता है
- पत्तियों के पीछे लाल रंग के बिन्दु नजर आने से इसकी सामान्य पहचान संभव होती है ।
- सुपरमाइट अनेक प्रकार के रेडमाइट , लीफ माइनर के लिए अत्यधिक प्रभावकारी है।

Supermite

- सुपरमाइट एक जौविक उत्पाद है जो त्वरित क्रियाशील होता है क्योंकि पौधा इसे सीधे पत्तियों से ग्रहण करता है
- REDMITE पत्ती के पीछे जाला भी बना लेता है जिससे रासायनिक कीटनाशक इस तक नहीं पहुँच पाते। किंतु सुपरमाइट इस जाले को नष्ट करके रेडमाइट को नष्ट करता है।
- सुपरमाइट कीडों की तंत्रिका तंत्र को नष्ट करके उन्हे अपंग बना देता है इससे इनकी मृत्यु हो जाती है ।
- यह एक दुर्गंध रहित पेटेंटेड टेक्नालाजी है जिसका परिणाम अगले 15 –21 दिन तक मिलता रहता है ।
- सुपरमाइट का प्रयोग अनाज वाली सब्जिओ दलहनी फसलों, कपास, सरसों इत्यादि फसलों का प्रयोग कर सकते है

उपयोग का तरीका

200ml सुपरमाइट को 200ली पानी मे घोलकर 1 एकड़ फसल पर छिडकाओ करे।

उपयोग का समय – फसलों पर सुपरमाइट का प्रयोग आवश्यकतानुसार रेडमाइट कीटो के प्रकोप का पूर्वानुमान करके किया जा सकता है ,या रेडमाइट कीटो के प्रकोप मे उनकें नियंत्रण हेतु तुरंत प्रयोग कर सकते है।

कृषि क्रांति की ओर....

BOKSER
Broad Spectrum Insecticide
ECO FRIENDLY
ECO FRIENDLY
ECO FRIENDLY
BOKSER
कृषि क्रांति
की ओर....

बॉक्सर

BOKSER एक बहुआयामी कीटनाशक है जो कई प्रकार के तना–बेधक और फल–बेधक कीटों को नष्ट करने में सहायक है। BOKSER में नैनो टेक्नोलॉजी का प्रयोग किया गया है जिससे कम मात्रा में इस्तेमाल में भी कीटों पर ज्यादा असर होता है। ये एक कोलीनेस्ट्रेस अवरोधक का भी कार्य करता है जिससे कीटों के शरीर की मांसपेशियाँ लकवाग्रस्त हो जाती हैं और वो अपने किसी भी क्रिया–कलाप को करने में सक्षम नहीं रह जाते और उनकी मृत्यु हो जाती है।

BOKSER लेपिडोप्टेरा प्रजाति के कीटों को नष्ट करने में अत्यंत प्रभावी है, जैसे कि बंदगोभी के कीट, सोयाबीन कीट, कपास के बॉलवर्म, कपास के कटवर्म, सेब के लीफरोलर। इसके अलावा BOKSER सब्जियों, चाय, तम्बाकू, फलों और कपास पे लगने वाले आर्मी वर्म्स और डायमंड बैक मोथ्स पर भी अत्यंत प्रभावी है ।

BOKSER का इस्तेमाल कुछ अन्य विनाशकारी कीटों की रोकथाम के लिए भी अत्यंत लाभदायक पाया गया है, जैसे कि ब्राउन प्लांट हॉपर, आर्मी वर्म, धान का लीफ फोल्डर, गेहूं और सोयाबीन के कैटरपिलर, गन्ने के पाईरीला, दलहनी फसलों और सब्जियों के विभिन्न कीट ।

BOKSER के प्रभाव में और ज्यादा बढ़ोत्तरी, इसके अद्वितीय फार्मूला के साथ–साथ इसकी शानदार पैकिंग और उच्च स्तरीय क्वालिटी नियंत्रण के कारण होती है। इसी कारण BOKSER एक अत्यंत प्रभावशाली कीटनाशक के मापदंड पर खरा उतरता है ।

BOKSER एग्रो उद्योग जगत के उच्चतम मापदंडों के अनुसार बनाया गया है और प्रभावी परिणामों की गारंटी देता है ।

बॉक्सर के प्रमुख लाभ :

1. शीघ्र असर।
2. कीटनाशकों कि नई श्रेणी का नई पद्धति से कार्य करने वाला कीटनाशक।
3. लम्बे समय तक प्रभावी।
4. लाभदायक कीटों को नुकसान नहीं पहुंचाता।
5. रेजिस्टेंस मैनेजमेंट और इंटीग्रेटेड पेस्ट मैनेजमेंट के लिए उपयुक्त।
6. फसलों को सुरक्षित रखने में अति-विश्वसनीय।
7. पत्तियों में तीव्रता से अवशोषित होकर संचित हो जाता है, जिससे लम्बे समय तक कीटों के आक्रमण से बचाता है।
8. सम्पूर्ण फसल–चक्र में केवल एक या दो बार प्रयोग की आवश्यकता।
9. मनुष्यों के लिए भी काफी सुरक्षित।
10. मधुमक्खियों और केचुओं को सुरक्षित रखता है।
11. उत्पादन को लगभग 20% – 25% तक बढ़ा देता है।

BOKSER- SC
BOKSER-SC
ECO FRIENDLY
ECO FRIENDLY
ECO FRIENDLY
कृषि क्रांति
की ओर....

बॉक्सर-एस सी

परन्तु गन्ने में कीटों का आक्रमण भी काफी होता है और किसानों की आमदनी को कई गुना कम कर देता है।

इन कीटों का सफाया करने और किसानों के चेहरे पर मुस्कान वापस लाने के लिए मोरल ग्रुप प्रस्तुत करता है.... एक चैंपियन । जी हाँ! गन्ने के शत्रुओं को नॉक-आउट करने के लिए आ गया है .... BOKSER-SC

BOKSER-SC एक अद्वितीय कीटनाशक है जो गन्ने की फसल में लगने वाले चोटी छेदक, तना बेधक, पाईरिल्ला और दीमक पर अत्यंत प्रभावी है।

BOKSER-SC में नैनो टेक्नोलॉजी का प्रयोग किया गया है जिससे कम मात्रा में ही कीटों पर ज्यादा असर होता है।

BOKSER-SC को ऐसे जैविक पदार्थों के जैवसंश्लेषण से तैयार किया गया है जिनमें कीटनाशक गुण पाए जाते हैं।

BOKSER-SC कीटों के cholinestrase एंजाइम को अवरुद्ध कर देता है जिससे कीटों के शरीर में एक प्रकार की paralysis हो जाती है और वो अपने किसी भी क्रिया-कलाप को करने में सक्षम नहीं रह पाते और उनकी मृत्यु हो जाती है।

BOKSER-SC के प्रभाव में और ज्यादा बढ़ोतरी, इसके अद्वितीय फार्मूला के साथ–साथ इसकी शानदार पैकिंग और उच्च स्तरीय क्वालिटी नियंत्रण के कारण होती है। इसी कारण BOKSER-SC, एक अत्यंत प्रभावशाली कीटनाशक के मापदंड पर खरा उतरता है..

बॉक्सर-एस सी के प्रमुख लाभ :

1. शीघ्र असर।
2. कीटनाशकों की नई श्रेणी का और नई पद्धति से कार्य करने वाला कीटनाशक।
3. लम्बे समय तक प्रभावी।
4. लाभदायक कीटों को नुकसान नहीं पहुँचाता।
5. रेजिस्टेंस मैनेजमेंट और इंटीग्रेटेड पेस्ट मैनेजमेंट के लिए उपयुक्त।
6. फसलों को सुरक्षित रखने में अति विश्वसनीय।
7. पत्तियों में तीव्रता से अवशोषित होकर, भंडारित हो जाता है जिससे लम्बे
8. समय तक कीटों के आक्रमण से बचाता है।
9. सम्पूर्ण फसल–चक्र में केवल एक ही प्रयोग की आवश्यकता।
10. मनुष्यों के लिए भी काफी सुरक्षित।
11. मधुमक्खियों और केंचुओं को सुरक्षित रखता है।
12. उत्पादन को लगभग 20 से 25% बढ़ा देता है।
13. गन्ने की लम्बाई और परिधि को बढ़ा देता है।

उपयोग की विधि

BOKSER-SC का फसलों में प्रयोग शाम के समय करना चाहिए।

यदि दीमक का प्रकोप हो तो 200 लीटर पानी में 125 ml BOKSER-SC मिला कर आधे एकड़ की फसल पर छिडकाव करवाएं।

यदि तनाबेधक (Stem Borer), पायरिल्ला और चोटीबेधक (Top Borer) का प्रकोप हो तो 200 लीटर पानी में 100 ml BOKSER-SC मिला कर आधे एकड़ की फसल पर छिडकाव करवाएं।

कृषि क्रांति की ओर....

FungiKilin
250 ml
Fungikilin
250 ml
Fungikilin
Higher Yield
A
B
C
D
कृषि क्रांति
की ओर....

फंगिकिलीन

फंगिकिलीन एक जैव उपलब्ध पौध–पोषक निर्मित प्रोप्रायट्री प्रोडक्ट है जिसमे 4% केलेटेड **(Chelated)** कोपर, 10% ईस्ट–एक्सट्रेक्ट, आक्सीकृत एमिनो एसिड्स के अतिरिक्त विटामिन्स और खनिज निहित हैं। इस प्रोप्रायटरी मिश्रण में सर्वोत्तम पोषक तत्व कॉपर अपने फंगीसायडल (फफूंदी नष्ट करने की क्षमता) गुण के साथ मौजूद है।

फंगिकिलीन केलेशन **(Chelation)** और कॉपर और ईस्ट–एक्सट्रेक्ट से मिले एमिनो एसिड्स तथा प्राकृतिक कार्बनिक फ्रूट एसिड्स के कैप्स्युलिकरण **(Encapsulation)** के द्वारा निर्मित है, जिसके कारण कॉपर की जैव–उपलब्धता अधिकतम होती है।

ईस्ट एक्सट्रेक्ट और कोपर का यह संयोजन है जो टमाटर के लीफ–स्पॉट डिजीज, **Citrus** के पोस्ट–ब्लूम फ्रूट ड्राप और ग्रीजी स्पॉट डिजीज को दूर और नियंत्रित करने में अत्यंत लाभकारी है। टमाटर के लीफ–स्पॉट डिजीज मे फफूंद का टमाटर की पत्तियों पर आक्रमण होने के कारण धब्बों का निर्माण होने लगता है और उत्पन्न धब्बे छोटे, हल्के–भूरे रंग के एवं पुरी पत्तियों पर फैले हुए होते है।

Citrus के पेड़ों के फंगस रोग सन्तरे, नींबू, कागजी नींबू के पेड़ों में भी फ़ैल जाते हैं।

Citrus पोधों के पोस्ट–ब्लूम फ्रूट ड्राप **(PFD)** रोग में एक विशेष प्रकार के फंगस के कारण फूलों की पत्तियों पर नारंगी–भूरे रंगों के धब्बे हो जाते हैं। जब कि ग्रीजी स्पॉट फंगस के कारण ग्रीजी स्पॉट रोग हो जाते हैं।

Citrus के पेड़ के ये रोग नजदीकी अंगूर, अनन्नास और **tangelos** के पेड़ों में भी फ़ैल सकते हैं। कोपर फंगीसाइड इन रोगों के निदान के लिए उपयुक्त और उत्तम माना जाता है।

इस प्रकार, 'फंगिकिलीन' ईस्ट–एक्सट्रेक्ट, कोपर और **co factors** के संयोजन से निर्मित प्रोडक्ट है जो कीटनाशी होने के साथ पैदावार भी बढाता है.

कार्य–प्रणाली **(Mode of Action)**

पौधें में फंगिकिलीन के प्रवेश करने के उपरान्त कोपर पोषण–सम्बन्धी आवश्यकता को पूरा करता है जबकि एमिनो एसिड्स और ईस्ट–एक्सट्रेक्ट पेड़ों के समस्त स्वास्थ और अधिक उपज को सुनिश्चित करता है। एमिनो एसिड्स जैव–उत्तेजक **(Bio&Stimulants)** की तरह कार्य करते हैं जबकि ईस्ट–एक्सट्रेक्ट के अन्य घटक प्राकृतिक फंगीसाइड का कार्य करते हैं। इस प्रकार, फंगिकिलीन किसानों को तीन प्रकार के महत्वपूर्ण दिलाता है।

फंगिकिलिन के लाभ (ठमदमपिजे व थ्निदहपापसपद)

- कमजोरी **(Wilting)** दूर करने में सहायक
- र्प्यायवरण–अनुकूल
- पेड़ों की जीवाणुओं से सुरक्षा
- बैक्टेरिया और फंगाई को ख़त्म करना
- जैव–उपलब्धता**(Bioavailable)**
- पर्यायवरण–अनुकूल**(Green Chemistry Formula)**
- पेड़–पौधों की सुरक्षा / बायो–फंगिसाइड
- कोशिकाओं के दीवार को मजबूती प्रदान करना
- कॉपर पौधों को स्वस्थ एवं अधिकतम उपज सुनिश्चित करता है

अनुकूलता और सावधानी **(Compatibility and Precautions)**

फंगिकिलीन अम्लीय है और इसका उपयोग अलग से करना चाहिए। अन्य पेस्टीसाइड्स (कीटनाशी) के साथ मिश्रित करने के लिए 'जार टेस्ट' करना आवश्यक ह।. किसी भी क्षारीय कृषि–निविष्टियों**(Inputs)** के साथ फंगिकिलीन मिश्रित नहीं करें।

फंगिकिलीन के छिडकाव का सबसे अच्छा समय सुबह में ओस सूखने के बाद या दोपहर 4 बजे जब दिन साफ़ हो। अगर छिडकाव के 4 घंटे के अन्दर अगर वर्षा हुई हो तो फिर से इसका उपयोग करना चाहिए।

पोषण और कृषि के लिए **FDA** द्वारा कोपर और ईस्ट–एक्सट्रेक्ट के मेल में स्थित संघटक को **GRAS(Generally Recognized as Safe for food use)** की श्रेणी में रखा गया है

उपयोग की विधि

प्रत्येक 2 से 3 सप्ताह में पत्तियों के समूह पर फंगीकिलिंन का छिडकाव करें:

Vegetable crops के लिए : 250 **ml** से 500 **ml** फंगिकिलीन को पानी में मिश्रित कर एक एकड़ में छिडकाव करना चाहिए।

Horticulture crops के लिए : 500 **ml** से 1000**ml** फंगिकिलीन को पानी में मिश्रित कर एक एकड़ में छिडकाव करना चाहिए।

कृषि क्रांति की ओर....

Toxigone
Advance
Toxigone
Advance
Organic Veggies and Fruits Cleaner
Cleans Away
✓ Wax and Grime
✓ Pesticide Residues
✓ Surface Contaminants
Good For 1000 Washes

टोक्सिगोंन एडवान्स

आप खुद को और अपने परिवार के स्वास्थ्य को रखें सुरक्षित

Healthy Eating- Healthy Eating-
Happy Family Singing Laughing

क्या आप जानते हैं कि आप जो कुछ भी खाते हैं चाहे वह सब्जी हो, फल हो या और कुछ। इनके उपर बैक्टेरिया, कीटनाशक या और किसी विषाक्त और हानिकारक रसायन की परत हो सकती है जिन्हें केवल पानी से धोने या खंगालने से दूर नहीं किया जा सकता है। कई कीटनाशक या पेस्टीसाइड्स "वाटरप्रूफ" होते हैं जो सिंचाई या वर्षा के पानी से भी नहीं दूर होते हैं. कई सलादों, सब्जियों और फलों जैसे कद्दू, सेव, अंगूर आदि की गुणवत्ता और उनके रूप को आकर्षक बनाने के लिए उनके ऊपर मोम **(Wax)** की परत**(Coating)** हो सकती है। इसके अतिरिक्त दुकानों में अनेक ग्राहकों के द्वारा इनका स्पर्श भी होता रहता है।

इस प्रकार हम जो भी खाते हैं हमारा शरीर भोजन के द्वारा विषाक्त चीजों को भी ग्रहण कर लेता है और बीमारियों की संभावना बढ़ जाती हैं।

'मोरल' द्वारा प्रस्तुत टोक्सिगोंन एडवान्स **(Toxigone Advance)** का उपयोग कर अपने रसोई घर **(kitchen)** में रखें केवल स्वच्छ, स्वास्थ्यवर्धक सब्जियों और मनपसन्द फलों को सुरक्षित और करें हेल्दी इटिंग...

टोक्सिगोंन एडवान्स की विशेषताएँ

- 100% प्राकृतिक
- आर्गेनिक साइट्रस से निर्मित
- मोम **(Wax)** की परत करे दूर
- गंधहीन और स्वादहीन
- मिट्टी, कीटनाशक, रसायनों के अवशेषों को हटाने के किये उपयुक्त
- दूषित पदार्थों से मुक्त करे

उपयोग की विधि

साबुत**(Uncut)** सब्जियों और फलों पर टोक्सिगोंन एडवान्स का छिडकाव करें, हल्के से रब कर कोमलता से बहते पानी में धोने के बाद उपयोग करें

समस्त उत्पाद की जोताई से कटाई तक विभिन्न चरणों में उपयोग :–

कृषि क्रांति
की ओर....

फसलों पर कीटों का प्रकोप :–

चबाने वाले कीटों की रोकथाम के लिए विन्सेक्ट :–

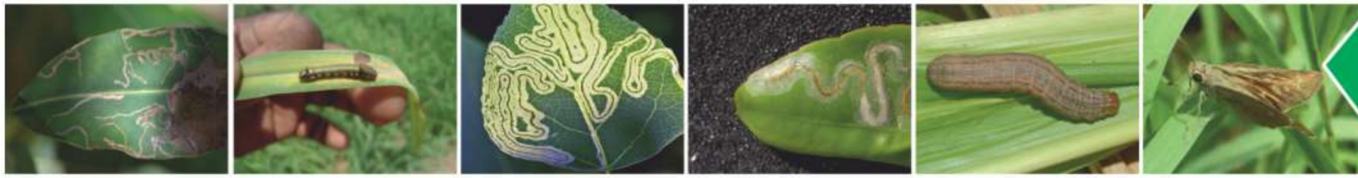

चूसने वाले कीटों की रोकथाम के लिए सुपर शॉट :–

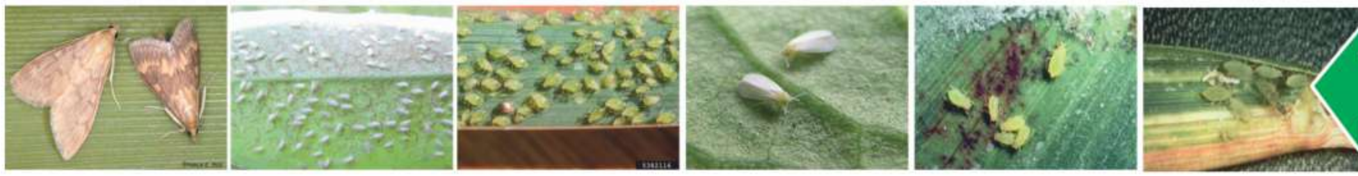

रेड माइट कीटों की रोकथाम के लिए सुपर माइट : –

फंगस, बैक्टीरिया, वायरस की रोकथाम के लिए बैक्टीगॉन :–

तना बेधक की रोखथाम के लिए प्रोटेरा :–

कृषि क्रांति की ओर....

MORAL
MORAL GROUP OF COMPANIES
All Ways Together
☆ जैविक उत्पाद जो जमीन को उपजाऊ बनायें रखे, ☆ अनाज की उत्पादकता को 25% से 40% तक बढ़ाता है।
☆ किसी भी प्रकार कि फसल में लाभदायक । ☆ धान, सब्जी, गेंहू, दलहन, फल, फूल सबके लिए लाभदायक ।
AgroMagic
FERTI-RICH
Proterra
Sulfagold
Pushpa Shakti
Supershot
Super Mite
NIPKO
Agro More
Bhumi Power
कृषि संजीवनी
Maji K
Fungikilin
PoPho Power
WINSECT
Command office:
Royal Arcade, 656-ka-94/2, Sneh Nagar, Alambagh, Lucknow -226005
www.axilbusiness.in, Email: info@axilbusiness.com, Toll free - 1800-102-0087| 1800-419-2444
Follow us on:
https://www.facebook.com/axil.mart
https://www.facebook.com/MoralAxil
Agriculture Use Only